अग्रसेन जयन्ती पर सम्पन्न विभिन्न कार्यक्रम

www.myjhunjhunu.com/agarwalsamajjjn

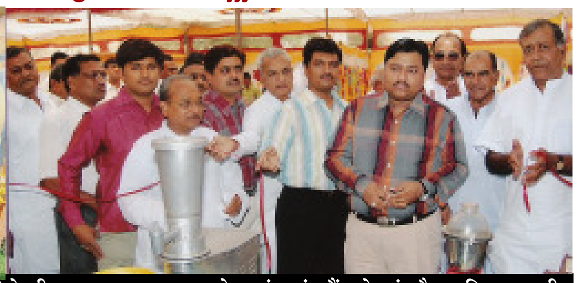

जयन्ती महोत्सव का शुभारम्भ महाराजा अग्रसेन के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा मेले की स्टाल का उद्घाटन करते हुए इंडसइंड बैंक के ब्रांच हैड अमित जालानी

माई झुं. न्यूज। अग्रवाल समाज समिति झुंझुनूं द्वारा हर्षोल्लास के साथ महाराजा अग्रसेन मार्ग स्थित अग्रसेन भवन में अग्रसेन जयन्ती महोत्सव 2007 मनाया गया।

समारोह का आगाज रविवार प्रातः 11 बजे महाराजा अग्रसेन जी चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वल एवं अग्र ध्वज फहराकर किया गया तथा अग्रसेन मेले का सुन्दर शानदार आयोजन पुरूषोतम केडिया एवं रितेश सिंघानियां के संयोजकत्व में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि इण्डसइंड बैंक के मैनेजर अमित जालानी, कार्यक्रम अध्यक्ष केशरदेव तुलस्यान एवं विशिष्ठ अतिथि रामचन्द्र तुलस्यान एवं विश्वनाथ टीबड़ा थे। अग्रसेन मेले के प्रायोजक कजोड़मल एवं सभी अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से मेले का शुभारम्भ फीता काटकर किया गया।

विदित है कि मेले में अग्र परिवारों के बच्चों एंव महिलाओं द्वारा विभिन्न प्रकार की दुकानें स्टाल लगाई जाती हैं जिसका समाज के सभी उम्र के लोगों द्वारा खरीददारी एवं मनोरंजन के साथ लाभ लिया जाता है।

नानीबाई का मायरा– दिनांक 8 एवं 9 अक्टूबर को बालव्यास प. श्री श्रीकान्तजी शर्मा के श्रीमुख से नानी बाई के मायरे का सुमधुर एवं संगीतमय सजीव झांकी सहित वृहद एवं भव्य स्तर पर आयोजन किया गया। (विस्तृत विवरण अलग से प्रकाशित किया गया है।)

बिन दर्पण श्रृंगार प्रतियोगिता– 10 अक्टूबर को मध्यान्ह 2 बजे बालिकाएं एवं महिलाओं के लिए इंडसईंड बैंक के सौजन्य से बिन दर्पण श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन सपना राणासरिया, अन्जू शाह एवं मोनिका गुप्ता के कुशल संयोजकत्व में हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि विद्या अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि मंजू खण्डेलिया की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

हंसी की बौछारें– 10 अक्टूबर को ही प्रायोजक रिद्धकरण मोदी के सौजन्य से हंसी की बौछारें कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि स्नेहलता तुलस्यान व विशिष्ठ अतिथ्ति डा. अनिता गुप्ता की उपस्थिति में किया गया। जिसका कुशल संयोजन निर्मला ढंढारिया,रितु केजड़ीवाल एवं रेखा बिसाऊवाला द्वारा किया गया।

एकल नृत्य प्रतियोगिता– का आयोजन इसी दिवस को मुख्य अतिथि सरोज बंसल एवं विशिष्ठ अतिथि अनिता गुप्ता की गरिमामय उपस्थिति में परख साबुन के निर्माता युवा उद्योगपति भारत रत्न उद्योग रत्न अवार्ड से सम्मानित प्रमोद कुमार खण्डेलिया, लक्ष्मी सोप इण्डस्ट्रीज के सौजन्य से किया गया। समारोह का संयोजन वर्षा तुलस्यान, संगीता पाटोदिया एवं अर्चना गुप्ता ने किया।

खुलजा सिमसिम कार्यक्रम– हर वर्ष की भांति चिर परिचित कार्यक्रम खुलजा सिमसिम का आयोजन 11 अक्टूबर गुरूवार सांयकाल डोनियर सुर्टिंग एंव शर्टिंग के स्थानीय वितरक राजकुमार विनोद कुमार सिंघानिया, श्री श्याम टेक्सटाईल्स झुंझुनूं द्वारा किया गया।

समारोह का कुशल संचालन जिम्मी मोदी ने बखुबी अपने बेहद आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सम्पन्न किया,दर्शकों ने भरपूर मनोरंजन का लाभ उठाया। समारोह का संयोजन अंकित पाटोदिया एवं दीपक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर मंच को गरिमा प्रदान की मुख्य अतिथि सत्यनारायण गाडिया, कार्यक्रम अध्यक्ष बी के अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि रामानन्द पाटोदिया एवं प्रायोजक राजकुमार सिंघानिया थे।

समिति अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान एवं सचिव प्रदीप पाटोदिया विजेता बच्ची को पुरस्कृत करते हुए।

मुख्य समारोह– 12 अक्टूबर शुक्रवार सायंकाल मुख्य समारोह का आगाज पश्चिमी रेलवे के डीआरएम सुनील कुमार गोयल, कार्यक्रम अध्यक्ष पुरूषोत्तमलाल जालान देहली, विशिष्ठ अतिथि नगरपालिकाध्यक्ष भारती टीबड़ा, मनोहरलाल गाडिया एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश कुमार टीबड़ा, प्रायोजक रामनिवास बिरमीवाला एवं संजय नांगलिया तथा समाज पदाधिकारीयों के द्वारा महाराजा अग्रसेनजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का माल्यार्पण के साथ स्वागत किया गया तथा समिति अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं समिति सचिव प्रदीप पाटोदिया ने समाज की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। मंच संचालन हरीश तुलस्यान ने किया। रामअवतार,संजय कुमार नांगलिया की और से आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम का रोचक अन्दाज में प्रश्नोतरी कार्यक्रम जिम्मी मोदी ने सम्पन्न करवाया। सही सही उत्तद देने वालों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रश्नमंच के संयोजक प्रमोद तुलस्यान थे। इस अवसर पर रामनिवास बीरमीवाला के सौजन्य से समाज के 71 होनहार छात्र–छात्राओं को सिल्वर मैडल तथा समाज की ओर से प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष पुरूषोत्तमलाल जालान द्वारा अग्रबन्धु सहायतार्थ इक्कावन हजार की राशि समाज को भेंट की गयी। विदित है कि जालान पहले भी समाज को इस प्रकार की सहायतार्थ भेंट दे चुके हैं।

मुख्य अतिथि द्वारा समाज समिति ने सम्मान समारोह में विशिष्ट उपलब्धि की श्रेणी में लायन्स क्लब इन्टरनेशनल के प्रान्तपाल बनने पर लायन श्रवण केजड़ीवाल, उमेश जालान को एसीटीओ बनने पर, दुर्गाप्रसाद गोयनका का सफल 146 वैवाहिक परिचय सम्मेलनों के आयोजन पर तथा राष्ट्रीय पुरूस्कारों से सम्मानित होने पर देवकीनन्दन तुलस्यान, आदित्य मोदी एवं अनिता बंसल को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में जयन्ती महोत्सव के मुख्य संयोजक अजय राणासरिया, नानी बाई के मायरे के कुशल संयोजन हेतु प्रमोद खण्डेलिया, मुख्य समारोह के संयोजक कैलाशचन्द्र पंसारी, मैधावी छात्र अभिनन्दन समारोह के संयोजक विकास ढेढिया, रितेश सिंघानियां, शिल्पी गुप्ता एवं प्रश्न मंच के संयोजक प्रमोद तुलस्यान तथा निशुल्क मिनरल वाटर व्यवस्था हेतु श्रवण गोयनका को प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।

अतिथियों द्वारा जयन्ती महोत्सव के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों को सम्पन्न करवाने में रहे प्रायोजकों में रामनिवास बीरमीवाला, मनोहरलाल गाडिया, काशीनाथ गाडिया, चौथमल पाटोदिया, षडी प्रसाद जालान, रामचन्द्र मोदी, चण्डीप्रसाद टीबड़ा, प्रमोद खण्डेलिया, कजोड़ मित्तल, प्रकाश गोल्याण, कोशल खण्डेलिया, राजकुमार सिंघानिया, ताराचन्द भोड़कीवाला, संजय नांगलिया, रिद्धकरण मोदी, अमित जालानी, विश्वंभर हलवाई,पवन केजड़ीवाल, विश्वंभर पंसारी, गोविन्द टीबड़ा एवं अशोक भीमसरिया आदि को सम्मानित किया। इस अवसर पर समिति कोषाध्यक्ष शिवकुमार टीबड़ा, केशरदेव तुलस्यान, बृजकिशोर अग्रवाल, आत्माराम टीबड़ा, मनोहरलाल राणासरिया, विनोद सिंघानिया, रामचन्द्र तुलस्यान, नरोत्तमलाल जालान, अनिल गुप्ता, वीरेन्द्र शाह, पुरूषोत्तम केडिया, परमेश्वरलाल जालान, संतोष मित्तल, रामनिरंजन बंका, श्याम सुन्दर पोद्दार, प्रदीप अग्रवाल, नोरंगलाल राणासरिया, कैलाश सिंघानिया सहित बड़ी संख्या में अग्रबन्धु महिलाएं तथा बच्चे उपस्थित थे। समिति अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान एवं सचिव प्रदीप पाटोदिया ने जयन्ती महोत्वस 2007 के दौरान सम्पन्न विभिन्न कार्यक्रमों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग हेतु सभी का हार्दिक आभार प्रकट किया है।

खुलजा सिमसिम कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि।

महिलाओ एंव बच्चो के कार्यक्रम में मंचस्थ अतिथि।

अग्रसेन जयन्ती महोत्सव 2007 के मुख्य समारोह में मंचस्थ अतिथिगण एवं समाज के पदाधिकारी।

अग्रसेन जयन्ती महोत्सव 2007 के मुख्य समारोह में उपस्थित समाज के गणमान्यजन फोटो : रामनिवास सोनी

छावनी नरेश बालाजी का सेवा शिविर सम्पन्न

माई झुं.न्यूज। सालासर बालाजी धाम में आयोजित विशाल महोत्सव पर जाने वाले ध्वज पदयात्रियों की सेवा में छावनी नरेश बालाजी सेवा समिति द्वारा लगाया गया सेवा शिविर बुधवार की सांय को सम्पन्न हुआ। जिसका शुभारम्भ रविवार प्रात मेवा सिंह बोला, महेन्द्र धनकड़, विजेन्द्र ओला एएसपी वीकेगौड़ द्वारा किया गया।

सेवा समिति के व्यवस्थापक शशिकान्त महमियां ने बताया कि सेवा समिति द्वारा 2 अक्टूबर से लगाये गये सेवा शिविर में करीब दस हजार यात्रियों ने भोजन, चिकित्सा, चाय–नास्ता, स्नान व रात्रि विश्राम आदि का लाभ लिया। चार दिवस तक समाज सेवी मेवा सिंह बोला के सहयोग से यात्रियों की सेवा में लगाये गये शिविरके लिए स्थान, विद्युत, पानी आदि का सहयोग बड़ा सराहनीय कार्य था वहीं सेवा निर्वरत शरद चन्द्र सैनी द्वारा निस्वार्थ भाव से पैदल चलकर जाने वाले यात्रियों के पैरों में हुये छालों की ड्रेसिंग करना तथा दर्द आदि की उपयुक्त औषधियां देकर सेवा में लगे रहे। स्वर्णकार नव युवक सेवा समिति द्वारा पदयात्रियों को बिस्कुट वितरति किए गए। इस अवसर पर सीओ मान महेन्द्रसिंह भाटी के सहयोग से सेवा कैम्प में बिड़ला आचार्य संस्कृत महाविद्यालय पिलानी के स्काउट बड़ी तन मन से सेवा कर आने वाले सभी यात्रियों को चकित कर के यहां से आगे की रवानगी की विदाई दी। सेवा कैम्प में पवन शर्मा, अमित महमियां, पूर्व पार्षद सुभाष सैनी, पूनम पुरोहित, अर्जुन स्वामी, परमात्मा महमियां, सुशीला वर्मा,उर्मिला महमियां, सम्पती वर्मा, बजरंगल सोनी, हरिश खण्डेलिया, निलेश महमियां, रामनिरंजन तुलस्यान, पवन तुलस्यान आदि लोगों ने ध्वज पदयात्रियों की बड़ी श्रद्ध व उत्साह के साथ सेवा कर पदयात्रियों को प्रफुल्लित किया।

सेवा कैम्प को प्रभारी पवन कुमार वर्मा ने बताया कि सेवा समिति प्रतिवर्ष चैत्र मास की हुनमान जयन्ती पूर्णिमा व आश्विन मास की शरद पूर्णिमा पर दशमी से त्रियोदशी तक सेवा समिति द्वारा शिविर लगाया जाता है। सेवा समिति द्वारा इस बार कैम्प स्थल पर प्रातः से सायं तक सुन्दर काण्ड पाठ भी किया गया।

समिति द्वारा पूर्णिमा पर बालाजी महाराज का श्रृंगार भजन संध्या के साथ ही श्रृद्धालुओं में प्रसाद का वितरण भी किया गया।

नवदुर्गा की झुंझुनू में नो जगह हुई दुर्गापूजा

माई झुं.न्यूज। शारदीय नवरात्र पर शहर में नौ जगह दुर्गापूजा महोत्सव विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। पहाड़ी स्थित मनसा माता मंदिर के अलावा आठ अन्य स्थानों पर 12 अक्टूबर को घट स्थापना के साथ दुर्गापूजा शुरू हुई।

मनसा माता मंदिर में नवरात्र के दौरान प्रतिदिन सुबह–शाम विशेष आरती की गयी। इस दौरान हर रोज मैया का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया तथा प्रसाद वितरण अष्टमी व नवमी को मंदिर में मेला भी लगा।

श्री चंचलनाथजी के टीले पर दुर्गापूजा महोत्सव पर 12 अक्टूबर को सुबह साढे आठ बजे गणेश मंदिर से कलश यात्रा निकाली गयी। बगड़ रोड, चूणा चौक, भीखावाला कुआ, मोती सिह की ढाणी होते हुए कलश यात्रा समारोह स्थल पहुंची। वहां पंडितों के आचार्यत्व में घट स्थापना की गयी। महंत ओमनाथजी महाराज के सानिध्य में मैया की आरती उतारी गयी। संतु कुमार , देवकीनन्दन, विनोद पुरोहित, अमित मालसरिया, चंद्रभान खाजपूरिया, सहित अन्यजन व्यवस्थाओं में संलग्न थे।

खेती शक्ति मंदिर में 12 अक्टूबर को सुबह 11.30 बजे दुर्गापूजा महोत्सव का उद्घाटन समाजसेवी विश्वनाथ टीबड़ेवाल ने किया। दुर्गा नवमी को शनिवार शाम ओमप्रकाश केड़िया परिवार एवं राकेश टीबड़ा परिवार की ओर से मां अम्बे की आरती कर प्रसाद वितरण किया गया। रमाकांत टीबड़ा की ओर से श्रृंगार किया गया। इससे पहले रात्रि जागरण एवं कीर्तन हुआ। शनिवार को हवन में रमाकांत टीबड़ा, उनकी पत्नी सुषमा टीबड़ेवाल,राधावल्लभ टीबड़ेवाल, बाबूलाल तुलस्यान, पुरूषोत्तम टीबड़ेवाल, राजकुमार टीबड़ा, प्रदीप टीबड़ा, विश्वनाथ, रमेश टीबड़ेवाल, हरिराम सर्राफ, राकेश टीबड़ा एवं ओमप्रकाश केडिया आदि ने आहुतियां दी। संयोजक श्याम सुन्दर टीबड़ा ने बताया कि समारोह के दौरान 17 अक्टूबर को देशभक्ति गीतों की प्रतियोगिता, 18 को दुर्गा लोकनृत्य प्रतियोगिता तथा 19 अक्टूबर को डाडियारास तथा रात साढे सात बजे आतिशबाजी का कार्यक्रम हुआ। महोत्सव में सुबह साढे छह बजे तथा शाम सवा सात बजे आरती रात्रि को भजनों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

चूणाचौक पार्क में रामलीला के साथ दुर्गापूजा महोत्सव भी मनाया गया। पं. राकेश के आचार्यत्व में 12 अक्टूबर को सुबह सवा ग्यारह बजे घट स्थापना की गयी। महोत्सव में भाजपा नेता पूर्व पालिकाध्यक्ष रमेश टीबड़ा मुख्य यजमान थे। कार्यक्रम के अनुसार यहां सुबह आठ बजे, दोपहर 12 बजे व शाम सात बजे मैया की आरती तथा प्रसाद वितरण किया गया।

बड़ का बालाजी मंदिर के पास भी दुर्गापूजा महोत्सव शुरू हुआ। दुर्गापूजा महोत्सव समिति के अध्यक्ष अरविन्द व्यास ने बताया कि इस दिन शाहों वाले कुएं से कलश यात्रा शुरू हुई। यात्रा गांधी चौक, छावनी बाजार, जोशियों का गट्टा, कपड़ा बाजार होते हुए आयोजन स्थल पहुंची।

दीनदयाल शुक्ल के आचार्यत्व में घट स्थापना कराई गयी। महोत्सव के दौरान हर रोज नन्हें कलाकारों द्वारा झांकियां तथा हर रात भजनों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वीर विचित्र बालाजी मंदिर के पास घट स्थापन पूर्व खेतान मोहल्ले से कलश यात्रा रवाना होकर गुदडी बाजार, छावनी बाजार, चूणा चौक होते हुए पूजा स्थल पर पहुंची। यहां पं.शंकरलाल शर्मा ने पूजा अर्चना की । व्यवस्थापक प्रदीप मिश्रा ने बताया कि आरती का समय सुबह नौ बजे तथा शाम आठ बजे रखा गया था जिसमें बड़ी संख्या मैया के भक्तजन शामिल हुए।

स्काउट गाइड मैदान में इस बार दुर्गापूजा का कार्यक्रम रखा गया। सूर्यमंडल की ओर से कार्यक्रम की शुरूआत 12 अक्टूबर को सुबह 11 बजे इससे पूर्व खातियों की बगीची से आयोजन स्थल तक कलश यात्रा निकाली गयी। संयोजक रघुवीर सिंह ने बताया कि महोत्सव के लिए बंगाल के कारीगरों द्वारा निर्मित मां दुर्गा, गणेशजी, लक्ष्मीजी, कार्तिकेय, मां सरस्वती आदि प्रतिमाएं तैयार कराई गई। रेवाड़ी के कारीगरों द्वारा मंडप की सजावट देखने योग्य थी।

फौज के मोहल्ले में दुर्गापूजा महोत्सव सुबह–शाम साढे आठ बजे आरती की गयी। रात्रि को भजनों का कार्यक्रम रखा गया। आयोजक उम्मेदसिंह बताया कि कार्यक्रम के मुख्य यजमान पं. उमाशंकर थे।

रीको आवासीय कालोनी में भी बस्ती के लोगों द्वारा दुर्गापूजा का आयोजन उत्साह पूर्वक किया गया। नौ दिवस तक शहर में सम्पन्न धार्मिक आयोजनों का समापन मां दुर्गा के प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ हुआ। सभी प्रतिभाओं को गाजे बाजे के साथ श्रृद्धालु भक्तों द्वारा नाचते गाते विसर्जन हेतु शहर के प्रमुख बाजारों से सजा कर निकाली गयी।

अग्रसेन भवन में शरदोत्सव

माई झुं. न्यूज। अग्रवाल समाज समिति द्वारा अग्रसेन भवन में शरद पूर्णिमा के अवसर पर शरदोत्सव समारोह मनाया गया। समिति अध्यक्ष मोहनलाल तुलस्यान, सचिव प्रदीप पाटोदिया, आत्माराम टीबड़ा, प्रमोद खण्डेलिया, रामचन्द्र तुलस्यान, नरोत्तमलाल जालान, मनोहरलाल गाडिया, मातादीन टीबड़ा, सुरेश तुलस्यान, केशरदेव तुलस्यान, श्यामसुन्दर पोद्दार, कैलाशचन्द्र पंसारी सहित अन्य अग्र बन्धुओं की उपस्थिति में खीर का प्रसाद वितरित किया गया। हर वर्ष की भांति समिति द्वारा अग्रोहा धाम में अग्र बन्धुओं का दल शरदोत्सव कार्यक्रम हेतु रवाना हुआ।